Vol 5 Issue 4 Jan 2016

ISSN No : 2249-894X

Monthly Multidisciplinary Research Journal

Review Of Research Journal

Chief Editors

Ashok Yakkaldevi
A R Burla College, India

Flávio de São Pedro Filho
Federal University of Rondonia, Brazil

Ecaterina Patrascu
Spiru Haret University, Bucharest

Kamani Perera
Regional Centre For Strategic Studies, Sri Lanka

Welcome to Review Of Research

RNI MAHMUL/2011/38595 **ISSN No.2249-894X**

Review Of Research Journal is a multidisciplinary research journal, published monthly in English, Hindi & Marathi Language. All research papers submitted to the journal will be double - blind peer reviewed referred by members of the editorial Board readers will include investigator in universities, research institutes government and industry with research interest in the general subjects.

Regional Editor

Manichander Thammishetty
Ph.d Research Scholar, Faculty of Education IASE, Osmania University, Hyderabad.

Advisory Board

Kamani Perera
Regional Centre For Strategic Studies, Sri Lanka

Ecaterina Patrascu
Spiru Haret University, Bucharest

Fabricio Moraes de AlmeidaFederal University of Rondonia, Brazil

Anna Maria Constantinovici
AL. I. Cuza University, Romania

Romona Mihaila
Spiru Haret University, Romania

Delia Serbescu
Spiru Haret University, Bucharest, Romania

Xiaohua Yang
University of San Francisco, San Francisco

Karina Xavier
Massachusetts Institute of Technology (MIT), USA

May Hongmei Gao
Kennesaw State University, USA

Marc Fetscherin
Rollins College, USA

Liu Chen
Beijing Foreign Studies University, China

Mabel Miao
Center for China and Globalization, China

Ruth Wolf
University Walla, Israel

Jie Hao
University of Sydney, Australia

Pei-Shan Kao Andrea
University of Essex, United Kingdom

Loredana Bosca
Spiru Haret University, Romania

Ilie Pintea
Spiru Haret University, Romania

Mahdi Moharrampour
Islamic Azad University buinzahra Branch, Qazvin, Iran

Titus Pop
PhD, Partium Christian University, Oradea,
Romania

J. K. VIJAYAKUMAR
King Abdullah University of Science & Technology,Saudi Arabia.

George - Calin SERITAN
Postdoctoral Researcher
Faculty of Philosophy and Socio-Political Sciences
Al. I. Cuza University, Iasi

REZA KAFIPOUR
Shiraz University of Medical Sciences
Shiraz, Iran

Rajendra Shendge
Director, B.C.U.D. Solapur University, Solapur

Nimita Khanna
Director, Isara Institute of Management, New Delhi

Salve R. N.
Department of Sociology, Shivaji University, Kolhapur

P. Malyadri
Government Degree College, Tandur, A.P.

S. D. Sindkhedkar
PSGVP Mandal's Arts, Science and Commerce College, Shahada [M.S.]

Anurag Misra
DBS College, Kanpur

C. D. Balaji
Panimalar Engineering College, Chennai

Bhavana vivek patole
PhD, Elphinstone college mumbai-32

Awadhesh Kumar Shirotriya
Secretary, Play India Play (Trust),Meerut (U.P.)

Govind P. Shinde
Bharati Vidyapeeth School of Distance Education Center, Navi Mumbai

Sonal Singh
Vikram University, Ujjain

Jayashree Patil-Dake
MBA Department of Badruka College Commerce and Arts Post Graduate Centre (BCCAPGC),Kachiguda, Hyderabad

Maj. Dr. S. Bakhtiar Choudhary
Director,Hyderabad AP India.

AR. SARAVANAKUMARALAGAPPA UNIVERSITY, KARAIKUDI,TN

V.MAHALAKSHMI
Dean, Panimalar Engineering College

S.KANNAN
Ph.D , Annamalai University

Kanwar Dinesh Singh
Dept.English, Government Postgraduate College , solan

More.........

Address:-Ashok Yakkaldevi 258/34, Raviwar Peth, Solapur - 413 005 Maharashtra, India
Cell : 9595 359 435, Ph No: 02172372010 Email: ayisrj@yahoo.in Website: www.ror.isrj.org

International Online Multidisciplinary Journal
Review of Research
ISSN No : 2249-894X
Impact Factor 2.1002 (UIF) [Yr.2013]
3.1402 (UIF) [Yr.2014]
Save Tree, Save Paper, Save World
ISSN: 2249-894X Impact Factor : 3.1402(UIF) Volume - 5 | Issue - 4 | Jan - 2016

‘खाली जगह’ उपन्यास में सांप्रदायिक और आतंकवाद

झाकीर हुसेन मुलाणी
सहायक प्रोफेसर, विठ्ठलराव शिंदे कला महाविदयालय,
टेंभूर्णी, तहसील माढा, जिला. सोलापूर.

सारांश –

गीतांजली श्री हिन्दी की बहुचर्चित कथाकारा है। ‘वैराग्य’ ‘अनुगुंज’ मार्च माँ और सुकुरा उनके प्रसिध्द कहानी संग्रह है। माई हमारा शहर उस बरस ‘तिरोहित’ और ‘खाली जगह’ उनके प्रकाशित और बहुचर्चित उपन्यास है। आधुनिक स्त्री साहित्यकारों में गीतांजली श्री की अपनी पहचान है। स्त्रीवादी साहित्य की परम्परा से हटकर विश्वस्तरिय विषयों की चर्चा उनके साहित्य में जरुर हैं। साथ ही लेखिका की खास सिग्नेचर टयून उन्हे अन्य स्त्री लेखिकाओं से अलग पहचान देती है। उनका कथा साहित्य और उसकी खास शैली परम्परा से हटकर और परम्परा में समाहित भी है।

गीतांजली श्री के ‘खाली जगह’ उपन्यास में अपने समय की समास्याएँ और विषयों का चित्रण बखूबी के साथ हुआ है। इन समस्याओं को आज की जिन्दगी से अलग करके देखना असंभव है। शोषण, बलात्कार, डकैती, लूटमार, हमले, हत्याएँ आदि ने समाज मन को आतंकित किया है। सुरक्षा मनुष्य जीवन से कोसो दूर है, अतः मानव भयभीत है। लेखिका प्रस्तुत उपन्यास में अमन, सुरक्षा, सुख चैन आदि बातों पर खुली चर्चा की है। आतंक के सीने से अन्य समस्याएँ जन्म लेती है, इनसे सम्बन्धित समस्याओं का चित्रण ‘खाली जगह’ उपन्यास का उद्देश रहा है।

‘प्रस्तावना –

गीतांजलि श्री का खाली जगह उपन्यास में आतंकवाद, सांप्रदायिकता, नई–पुरानी पिढी का संघर्ष, आधुनिकता, संस्कृति का पतन, प्राचीन मुल्यों का नाश, नवीनमुल्यों की स्थापना, स्वैराचार की वृत्ति, भौतिक सुखो की चाह आदि आदि विषयों की आवाज दी है। सांप्रदायिकता और दहशत ने पहले ही देश को टुकडो में बॉट दिया है, आज समाज को उसी रास्ते पर देखकर लेखिका और समाज चिन्तित है। जीवन की विसंगतियों पर सही वक्त पर ऊंगली रखने का प्रयास गीतांजलि श्री का है। लेखिका ने उपर्युक्त सभी विषयों को डंके की चोट पर कहा है। दहशत, सांप्रदायिकता, दहशतवाद आधुनिक जगत को लगी बिमारियों है। यह बिमारियॉ जगत को किस मकाम पर ले जायेगी इसका अनुमान नहीं है। जगत का हर देश कम अधिक मात्रा में इससे आहत है। यह उपन्यास इस दृष्टि से सम्पूर्ण मानव समाज को सचेत करता है।

सांप्रदायिकता –

गीतांजलि श्री की ‘आजकल’ और ‘बेलपथ’ यह कहानिया सांप्रदायिकता पर लिखी गयी है। इसे आप २००२ की गुजरात

दंगो से जोडकर देखेंगे तो बहुत कुछ साफ हो जायेगा। घर का मालिक घर में चोर की तरह जरूरत की चिजों के लिए घुसता है। घर के बरमादे में न डरा आदमी घर का मालिक नही है, क्योंकि वह बडे भीड का हिस्सा है। घर मालिक को दंगे के माहौल से अचानक भागना पडा था। 'बेलपथ' पारिवारिक जीवन की सांप्रदायिकता से रूबरू करती है। आधुनिक मुस्लीम लडकी हिन्दू युवक से प्रेम विवाह करती है। फलस्वरूप समाज में व्याप्त सांप्रदायिकता के कॉटे उसे लहू–लुहान कर देते है। गीतांजलि श्री लिखती है – ''यह छोटी – छोटी लडाईयॉ ही असली लडाईयॉ है। बडी लडाई लडना आसान है। उन्हे गर्व से लडते है हम अभिमान से मर मिटते है उनके लिए। पर य छोटी लडाईयॉ ....कीडें की तरह घिनौनी दीमक की तरह लग जाती है खोखला कर जाती है....इतनी छोटभ होती है कि बडी बडी रौबदार लडाइयों से जोडकर देखना मुश्किल हो जाता है।''

जहॉं दो सम्प्रदायों के बीच किसी बात पर संघर्ष निर्माण हो वहॉं तनाव की स्थितीयॉं निर्माण होती है। गली, गॉव, शहर आदि स्थानों को आपस में लडाते हो असे सांप्रदायिकता कहते है। खाली जगह उपन्यास में भी कौमवाले, जाति या धर्मवाले ऐसे मौकों का फायदा उठाते हैं वहॉं सांप्रदायिकता निर्माण होती है। गीतांजलि जी ने इस बात को स्पष्ट कर दिया है –'' दरवाजा बाप ने खोला और कौमवाले फलटन बनाकर अंदर आये। बाप की बाप को जन्मजात कौम तो थी ही भले ही चेतन मन से वे उससे अलग हो चुके थे ब्याह, जाति और धर्म का बखेडा बिना माने कर बैठते थे। पर आये 'कौमवाले उन्हे नमस्कारते और बेटे को जीवित करने'' होटल में हुए बम विस्फोटे को कौमवाले साजिश का नाम देते है। इसी उपन्यास में बम विस्फोट में मरे बच्चे के कौमवाले मृत्यू पर सर्वधर्म सभा का आयोजन करते हैं। इस मौके की तलाश शायद उन्हे कब से थी , वह हाथ से गवाना नहीं चाहते। इसी विकृत वृत्तियों के कारण आज देश को अनेक कठिनाईयों का सामना करना पडता है। यह समस्या स्वार्थी नेताओं के अंधे स्वार्थ से जुडी है, धर्म के लुटेरे इस समय का इन्कार करते है, चोर की तरह इस अंधी गलियों मे इस बहाने लुटपाट करनेवाले भी पिछे नहीं होते। लेखिका का प्रयास उपन्यास के बहाने समाज की बंद ऑखों को फिर से खोलने का रहा है। आये दिन जो सांप्रदायिकता को लेकर फसाद होते है, उनमें गंदी राजनीती करनेवाले राजनेताओं का हाथ हैं। परिणाम स्वरूप दो अलग गुट और दूरियों बढाते और सुरक्षिकतता की भावना से भर जाते है। भगवतीचरण वर्मा इस संदर्भ में लिखते है –'' यदयपि भारतीयों में अपूर्व बल, साहस, सामर्थ्य था परंतू सांप्रदायिक भेदभाव ने हमारी गुलामी की अवधि को बढाया और स्वातंत्र्य संग्रामियों को अत्याधिक कठिनाईयों से गुजरना पडा। इसी सांप्रदायिकता ने देश का विभाजन किया।''

आज राजनितिज्ञ अपना स्वार्थ छोड पक्षो को प्रविज नहीं बनाते तब तक यह चित्र देश का माहौल बिगाडता रहेगा। मानवतावादी विचार, संविधान के प्रति निष्ठा सभी संप्रदायों के मन में जरूरी है। इसी कारण मो. फकरूद्दीन लिखते है–''जब साधारण जनता के बीच यह जागृती आ जाएगी कि अनेक सांप्रदायिक झगडों के मुल में राजनैतिक स्वार्थ ही निहित होता है, तब सांप्रदायिक दंगो की समस्या सुलझ जायेगी।'' खाली जगह उपन्यास में गीतांजलि श्री जी ने यही संदेश दिया है। वह इस कार्य में सफल रही है।

आतंकवाद –

गीतांजलि श्री के खाली जगह उपन्यास का मुख्य एवं केंद्रिय विषय हिंसा का चित्रण रहा है। उपन्यास का आरंभ मानवी मन को आतंकित करनेवाला है। बिखरा, जला होटका का सामान और तहस–नहस इन्सान की नस्ल आदमी की छोटे–छोटे टुकडों में तकदील करनेवाली बम विस्फोट की घटना का वास्तव चित्रण लेखिका ने किया है। वह लिखती है '' जब कैफे जल भुनकर खाक हो गया जब सायरन बजाती पुलिस की गाडियॉं आई तब उन्होंने पाया कि तीन बरस के बच्चे के आकार का लाल, चीटियों में रेंगता लोथ, एक तरफ बिना रोते गाते पडा है, पर जिंदा है और चीटियॉं उसे खा रही है बचा रही हैं।'' यह भयानक चित्र किसे आंतकित नहीं करता। आतंक फैलाने वाले सिर्फ परिणाम देखते है, उनका मानवता धर्म, जाति अस्था इन चिजों साथ दूर –दूर कोई रिश्ता नहीं होता। आज पूरी दूनिया इस आंतक से आतंकित है। दुनिया का कोई देश इससे महफूज नहीं है। प्रस्तुत उपन्यास की विस्फोट की घटना ऐस स्थल पर हुई है, जहॉं कल का भविष्या ज्ञान प्राप्ति हेतू जाना है। शिक्षा क्षेत्र भी इसकी चपेट में आया है। यह इस क्षेत्र का क्षय नहीं तो और क्या है ? आतंक के संदर्भ में राम आहुजा लिखते है – ''यह एक ऐसा तरीका है, जिसके द्वारा एक संघटित समूह अथवा दल अपले प्रकट उद्देशों की प्राप्ति मुख्य रूप से हिंसा के योजनाबध्द तरीके से करता है।'' स्पष्ट है ऐसी घटनाए सोची समझी साजिश होती हैं।

उपन्यास का नायक कहता है – ''मैं झगडा नहीं चाहता कौन कम झगडा है हर तरफ? यह सारी कहानियॉं जो कहले इसे है ही उन झगडों के बदौलत।'' गीतांजलि श्री चाहती है कि आधुनिक लोग अपने विवके को जगाये, मानवता की राह पर चले, संवेदना पुर्ण सोच वारदात को रोक भी सकती है, तब कही आतंकवाद की चपेट से दुनिया की मुक्ति हो सकती है। जैनेंद्र कुमार जी ने खूब लिखा है– '' हिंसा को जहॉं से वेग प्राप्त होता है,उसी स्त्रोत से यदि अहिंसा भी निकल सके, तभी वह प्रबल हो सकती है और हिंसक शक्तियों को वह निस्तेज बना सकती है।'' लेखिका आतंक और आतंकवाद की जडो तब पहुँचकर सोच के लिए पाठकों को बाध्य बनाती है।

अनमनस्क मन से फटे, टूटे , बिखरे मानव शरीर के टुकडों को उठाकर सीने से लगाकर अपनों को पाना आसान नहीं होता। देहात से शहरों में पढाई करने उद्देश से पहुँचे सज्जनों को इस दौर से अनेक बार गुजरना पडा है। अन पहचाने टूकडों को किसी चिहन से पहचान कर अंतिम क्रिया क्रम की घटना खाली जगह उपन्यास में देखी जा सकती है। खून से लथपथ जमीं, जला होटल, बिखरी लाशें आतंकवादियों की नपुंसक इरादों का प्रतीक है।

निष्कर्ष –

उपन्यासकारा गीतांजलि श्री का खाली जगह उपन्यास आतंकवाद का भयानक चेहरा है। लेखिका का उद्देश घटनाओं का सुन्दर वर्णन नहीं है बल्कि आतंकित मानवता और हमारे गलत राह पर बढते कदमों को रोकना रहा है। आधुनिक काल के मानव को विज्ञान कभी –कभी शाप लगता है, इस पाप से उभरनेवाला मन फिर से एक बार मानवता की जडे कायम करेगा तब दुनिया का मान चित्र कुछ अलग होगा।

संदर्भ –

1. गीतांजलि श्री– बेलपत्र (कहानी)
2. गीतांजलि श्री – खाली जगह, पृष्ठ 48
3. भगवतीचरण वर्मा – सामर्थ्य और सीमा, पृष्ठ 285
4. मो. फकरूद्दीन – राही मासूम रजा के उपन्यासों का समाजशास्त्रीय अध्ययन– पृष्ठ 124
5. गीतांजलि श्री – खाली जगह, पृष्ठ 12
6. राम आहूजा – सामाजिक समस्याएँ – पृष्ठ 334
7. जैनेन्द्र कुमार – प्रश्न और प्रश्न पृष्ठ 14
8. गीतांजलि श्री – खाली जगह– पृष्ठ 37

Publish Research Article
International Level Multidisciplinary Research Journal
For All Subjects

Dear Sir/Mam,

We invite unpublished Research Paper,Summary of Research Project,Theses,Books and Books Review for publication,you will be pleased to know that our journals are

Associated and Indexed,India

- Directory Of Research Journal Indexing
- International Scientific Journal Consortium Scientific
- OPEN J-GATE

Associated and Indexed,USA

- DOAJ
- EBSCO
- Crossref DOI
- Index Copernicus
- Publication Index
- Academic Journal Database
- Contemporary Research Index
- Academic Paper Databse
- Digital Journals Database
- Current Index to Scholarly Journals
- Elite Scientific Journal Archive
- Directory Of Academic Resources
- Scholar Journal Index
- Recent Science Index
- Scientific Resources Database

Review Of Research Journal
258/34 Raviwar Peth Solapur-413005,Maharashtra
Contact-9595359435
E-Mail-ayisrj@yahoo.in/ayisrj2011@gmail.com
Website : www.ror.isrj.org